ज्वालामुखी योग - 8

➢➢ मैं अवतार हूँ..

➳ _ ➳ अनुभव करना है की

→ मैं आत्मा परमधाम से इस धरा पर अभी अवतरित हुई हूँ इस धरा पर...

➳ _ ➳ परमात्मा भी इस धरा पर अवतरित हुए हैं...

→ हम भी इस धरा पर अवतरित हुए हैं...

➳ _ ➳ जो परमात्मा के कर्तव्य

→ वही हमारे कर्तव्य

➳ _ ➳ जो परमात्मा की लीलाएं

→ वही हमारी लीलाएं

➳ _ ➳ आज तक कभी किसी और गुरु ने ऐसा नहीं कहा की

→ तुम अवतार हो

➢➢ अवतार के मुख्य गुण

➳ _ ➳ अवतार कभी किसी से attach नहीं होता है

→ शास्त्रों में कृषण के जीवन में भी यही सब कुछ दिखाया गया है

➳ _ ➳ सदैव परम साक्षी

→ महाभारत की हलचल में सदैव अचल अडोल

➳ _ ➳ निर्मोही

➳ _ ➳ उपराम

➳ _ ➳ सदैव स्मृति में रहता है की

→ मेरे क्या कर्तव्य है ?

Avyakt Murli Refrence :- Page Number 8 - 9 Of Jwalamukhi Yog Book

---